PARISHRAM PUBLICATIONS

Std.: X (English)	Hindi	Marks: 80
Date: 20-Dec-2019	Parishram Academy	Time: 3 hrs
	Chapter: All	

विभाग १ - गदय : 20 अंक

Q.1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियॉ कीजिए ः-

1 A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1)

2) 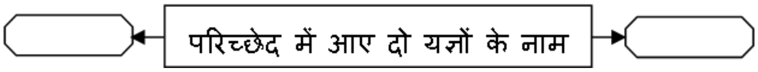

आजीविका की साधन-सामग्री किसी-न-किसी के श्रम बिना हो ही नहीं सकती | इसलिए बिना शरीर श्रम बिना हो ही नहीं सकती | इसलिए बिना शरीर श्रम किए उस सामग्री का उपयोग करने का न्यायोचित अधिकार हमें नहीं मिलता | अगर पैसे के बल पर हम सामग्री खरीदते हैं तो उस पैसे की जड़ भी अंत में श्रम ही है|

धनिक लोग अपनी ज्यादा संपत्ति का उपयोग समाज के हित में ट्रास्टी के तौर पर करें | संपत्ति दान यज्ञ और भूदान यज्ञ का भी आखिर आशय क्या है ? अपने पास आवश्यकता से जो कुछ अधिक है, उसपर हम अपना अधिकार बड़े-बड़े कार्य होते हैं जैसे कि अस्पताल, विद्यालय आदि | अगर व्यक्तियों के पास संपत्ति इकट्ठी न हो तो समाज को ये लाभ कैसे मिलेंगे ?

वास्तव में जब संपत्ति थोड़े-से हाथों में बँधी न रहकर समाज में फ़ैली रहेगी तो सहकार पद्धति से बड़े पैमाने पर ऐसे कम आसानी से चलने लगेंगे और उनका लाभ लेने वाले, याचक या दीन की तरह नहीं, सम्मानपूर्वक लाभ उठाएँगे |

अर्थशास्त्री कहते हैं कि उत्पादन की प्रेरणा के लिए व्यक्ति को स्वार्थ के लिए अवसर देने होंगे वरना देश में उत्पादन और संपत्ति नहीं बढ़ सकेगी, बचत भी नहीं होगी | अनुभव बताता है कि पूँजी, गरीबी या बेकारी की समस्या हल नहीं कर सकी है | नैतिक दृष्टि से भी स्वार्थवृत्ति का पोषण करना योग्य नहीं है | बहुत करके स्वार्थ का अर्थ होता है परार्थ की हानि | उसी में से स्पर्धा बढ़ती है, जिसके फलस्वरूप कुछ थोड़े से लोग ही लाभ उठा सकते हैं, बहुसंख्यकों कों तो हानि ही पहुँचती है | मानवोचित सहयोग की जगह जंगल का कानून या मत्स्य न्याय चलता है | आखिर यह देखना है कि समाज का कल्याण किस वृत्ति से होगा? अगर समाज में स्वार्थ वृत्ति के लोग अधिक हों, तो क्या कल्याण की आशा रखी जा सकती है ? समाज तो परोपकार वृत्ति के बल पर ही ऊँचा उठ सकता है | संपत्ति बढ़ाने के लिए स्वार्थ का आधार दोषपूर्ण है |

इस संबंध में कुछ भाई अमेरिका का उदाहरण पेश करते हैं | कहते हैं कि जिनके पास संपत्ति इकट्ठी हुई है, उनपर कर लगाकर कल्याणकारी राज्य की स्थापना की जाए | उसी आधार पर भारत को कल्याणकारी (वेल्फेयर) राज्य बनाने की बात चली है | कल्याणकारी राज्य का अर्थ यह समझा जाता है कि सब तरह के दुर्बलों को राज्यसत्ता द्वारा मद्द मिले |

A2) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1) पूँजी के बारे में अनुभव यह बताता है - ....

2) अर्थशास्त्रियों के अनुसार उत्पादन की प्रेरणा के लिए यह करना होगा - ....

3) समाज इस वृत्ति के बल पर ऊँचा उठ सकता है - ....

4) लेखक के अनुसार स्वार्थ का अर्थ - ....

A3) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए 2

1) दूसरों के उपकार या भलाई का काम |

2) वह धन जिससे कोई व्यवसाय आरंभ किया गया हो।

3) वह दौलत जो किसी के अधिकार में हो और जो खरीदी या बेची जा सकती हो |

4) ऐसी बात जिसमें केवल अपना हित हो।

A4) स्वमत :- 2

मेवे फलते श्रम की डाल 'विषय पर अपनी लिखित अभिव्यक्ति दीजिए |

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः-

1 A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

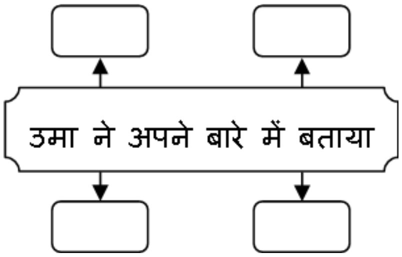

उमाः अब मुझे कह लेने दीजिए बाबू जी।
गो. प्रसादः (ताव में आकर) बाबू रामस्वरूप, आपने मेरी इज्जत उतारने के लिए मुझे यहाँ बुलाया था?
उमाः (तेज आवाज में) जी हाँ, और हमारी बेइज्जती नहीं होती जो आप इतनी देर से नाप-तौल कर रहे हैं ?
शंकरः बाबू जी, चलिए।
गो. प्रसादः तुम कालेज में पढ़ी हो? (रामस्वरूप चुप)
उमाः जी हाँ, मैं कालेज में पढ़ी हूँ। मैंने बी.ए. पास किया है। कोई पाप नहीं किया, कोई चोरी नहीं की और न आपके पुत्र की तरह लड़कियों के होस्टल में ताक-झाँककर कायरता दिखाई है। मुझे अपनी इज्जत अपने मान का खयाल तो है। लेकिन इनसे पूछिए किये किस तरह नौकरानी के पैरों में पड़कर अपना मुँह छिपाकर भागे थे।
रामस्वरूपः उमा, उमा !!
गो. प्रसादः (खड़े होकर गुस्से में) बस हो चुका। बाबू रामस्वरूप आपने मेरे साथ दगा किया। आपकी लड़की बी.ए. पास है और आपने मुझसे कहा था कि सिर्फ मैट्रिक तक पढ़ी है। (दरवाजे की ओर बढ़ते हैं।)
उमाः जी हाँ, जाइए, जरूर चले जाइए ! लेकिन घर जाकर जरा यह पता लगाइएगा कि आपके लाड़ले बेटे के रीढ़ की हड्डी भी है या नहीं- याने बैकबोन, बैकबोन-[बाबू गोपाल प्रसाद के चेहरे पर बेबसी का गुस्सा है और उनके लड़के के रुलासापन। दोनों बाहर चले जाते हैं।

A2) वाक्य पूर्ण कीजिए :- 2

1) मुझे अपनी प्रतिष्ठा / इज्जत अपने मन का खयाल तो है |

2) आप इतनी देर से नाप-तौल / लेखा - जोखा कर रहे हैं |

A3) वाक्य पूर्ण कीजिए :- 2

1) आपके .... बेटे के रीढ़ की हड्डी भी\ है या नहीं | (प्यारे / लाड़ले / दुलारे)

2) अपने मुझसे कहा था कि सिर्फ .... तक पढ़ी है | (मैट्रिक / बी.ए./एम.ए.)

A4) स्वमत :- 2

समाज के भीतर बदलते रिश्ते और मानवीय संबंधो पर 8 से 10 वाक्यों में अपने विचार लिखिए |

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियॉ कीजिए :-

1 A1) i) वाक्य पूर्ण कीजिए | 1

1) शिक्षा पद्धति में परिवर्तन के कारण - ....

2) आज शिक्षक किसी बच्चे को पीटे तो - ....

ii) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 1

कुछ समय पूर्व तक गुरु की मार खाकर बच्चे जब घर रोते-रोते पहुँचते थे तो माता - पिता यहीं कहते थे - "जो गुरु से मार खाते हैं, उनका भविष्य उज्ज्वल होगा ही।" मगर आज गुरु किसी बच्चे को पीटे तो उन पर माता-पिता मुकदमा चलवा देते है। गुरू का सम्मान दाँव पर लगा है, उनका गौरव क्षीण हो गया है। आज के गुरु भी इस बात को समझ गए है और वे अपने कर्तव्यों से विमुख होते जा रहे हैं। प्राचीन काल में बच्चे भगवान का स्वरूप थे और शिक्षक पुजारी। इसलिए गुरू अपने भगवान की तन-मन से पूर्णरूप से सेवा करता और अपने शिष्य के सुंदर भविष्य का निर्माण करता था परंतु आज विज्ञान और तकनीकी के विकास ने बच्चों की मासूमियत को नष्ट कर दिया है यहीं कारण है आज शिक्षा पद्धति में भी महान परिवर्तन आ गया है जिसके कारण शिक्षकों का पेशा असुरक्षित हो रहा है। यह किसी भी देश के भविष्य के लिए घातक परिणाम होगा।

A2) स्वमत :- 2

गुरू और शिष्य के आपसी संबंधो पर अपने विचार लिखिए।

विभाग २ - पदय : 12 अंक

Q.2 (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः:- **(6)**

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1) समान रूप से सभी का पालन करती थी - ☐

2) प्रकृती माता थी - ☐

3) सुधर घरों के वासी है - ☐

4) यहॉ हमेशा उदासी छाई रहती है - ☐

वे हैं सुख साधन से पूरित सुघर घरों के वासी, इनके टूटे – फूटे घर में छाई सदा उदासी |
पहले हमें उदर की चिंता थी न कदापि सताती, माता सम थी प्रकृति हमारी पालन करती जाती ||
हमको भाई का करना उपकार नहीं क्या होगा, भाई पर भाई का कुछ अधिकार नहीं क्या होगा |

A2) i) समान लय तुकान्त वाले शब्द लिखिए :- 1

कविता में आए तुकांत शब्द लिखिए

ii) निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए :- 1

1) प्रकृति समान रूप से हमारा पालन करती थी |

2) प्रकृति समान रूप से हमारा पालन करती थी |

A3) भावार्थ लिखिए :- 2

हमको भाई का करना उपकार नहीं क्या होगा,
भाई पर भाई का कुछ अधिकार नहीं क्या होगा |

(आ) निम्नलिखित पठित पदयांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :- **(6)**

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1) अधिकारी को कवि से यह चाहिए - ☐

2) चाँदी के विषय में कवि ने कहा - ☐

मेरे घर छापा पड़ा, छोटा नहीं बहुत बड़ा
वे आए, घर में घुसे, और बोले-सोना कहाँ है ?
मैंने कहा-मेरी आँखों में है, कई रात से नहीं सोया हूँ
वे रोष में आकर बोले-स्वर्ण दो स्वर्ण!
मैंने जोश में आकर कहा-सुवर्ण मैंने अपने काव्य में बिखेरे हैं
उन्हें कैसे दे दूँ।
वे झुँझलाकर बोले, तुम समझे नहीं
हमें तुम्हारा अनधिकृत रूप से अर्जित अर्थ चाहिए
मैं मुसकाकर बोला, अर्थ मेरी नई कविता ओं में है
तुम्हें मिल जाए तो ढूँढ़लो
वे कड़ककर बोले चाँदी कहाँ है ?
मैं भड़ककर बोला मेरे बालों में आ रही है धीरे-धीरे
वे उद्भ्रात होकर बोले
यह बताओ तुम्हारे नोट कहाँ हैं ?
परीक्षा से एक महीने पहले करूँगा
वे गरजकर बोले हमारा मतलब आपकी मुद्रा से है
मैं लरजकर बोला,
मुद्राएँ आप मेरे मुख पर देख लीजिए

A2) i) उत्तर लिखिए :- 1

पद्यांश में आई दो धातुओं के नाम है।

i) .... ii) ....

ii) निम्न शब्दों के लिए प्रश्न तैयार कीजिए :- 1

कविता

A3) भावार्थ लिखिए :- 2

मेरे घर छापा पड़ा, छोटा नहीं बहुत बड़ा
वे आए, घर में घुसे, और बोले-सोना कहाँ है ?
मैंने कहा-मेरी आँखों में है, कई रात से नहीं सोया हूँ
वे रोष में आकर बोले-स्वर्ण दो स्वर्ण!
मैंने जोश में आकर कहा-सुवर्ण मैंने अपने काव्य में बिखेरे हैं
उन्हें कैसे दे दूँ

विभाग ३ - पूरक पठन : 8 अंक

Q.3 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः- **(4)**

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

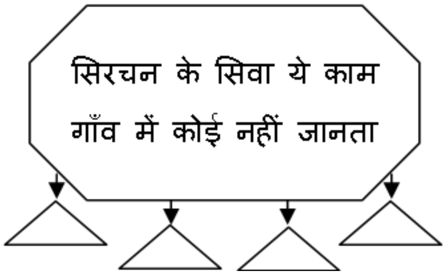

बिना मजदूरी के पेटभर भात पर काम करने वाला कारीगर ! दूध में कोई मिठाई न मिले तो कोई बात नहीं किंतु बात में जरा भी झाला वह नहीं बरदाश्त कर सकता

सिरचन को लोग चटोर भी समझते हैं। तली बघारी हुई तरकारी, दही की कढ़ी, मलाईवाला दूध, इन सबका प्रबंध पहले कर लो, तब सिरचन को बुलाओ; दुम हिलाता हुआ हाजिर हो जाएगा। खाने-पीने में चिकनाई की कमी हुई कि काम की सारी चिकनाई खत्म ! काम अधूरा रखकर उठ खड़ा होगा-"आज तो अब अधकपाली दर्द से माथा

टनटना रहा है। थोड़ा-सा रह गया है, किसी दिन आकर पूरा कर दूँगा।" 'किसी दिन'-माने कभी नहीं !

मोथी घास और पटरे की रंगीन शीतल पाटी, बाँस की तीलियों की झिलमिलाती चिक, सतरंगे डोर के मोढ़े, भूसी-चुन्नी रखने के लिए मूँज की रस्सी के बड़े-बड़े जाले, हलवाहों के लिए ताल के सूखे पत्तों की छतरी-टोपी तथा इसी तरह के बहुत-से काम हैं जिन्हें सिरचन के सिवा गाँव में और कोई नहीं जानता। यह दूसरी बात है कि अब गाँव में ऐसे कामों को बेकाम का काम समझते हैं लोग। बेकाम का काम जिसकी मजदूरी में अनाज या पैसे देने की कोई जरूरत नहीं। पेटभर खिला दो, काम पूरा होने पर एकाध पुराना-धुराना कपड़ा देकर विदा करो। वह कुछ भी नहीं बोलेगा।...

A2) स्वमत :- 2

'मेरा प्रिय कलाकार' विषय पर 8 से 10 पंक्तियों में अपना विचार व्यक्त कीजिए।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः:- **(4)**

1 **A1)** i) उत्तर लिखिए :- 1

निम्न पंक्तियों से मिलने वाला संदेश लिखिए

सागर में भी रहकर मछली प्यासी ही रही |

ii) परिणाम लिखिए :- 1

(i) सितारों का छिपना।

(ii) तुम्हारा गीतों को स्वर।

चलती साथ पटरियाँ रेल की फिर भी मौन।	
	सितारे छिपे बादलों की ओटमें सूना आकाश।
तुमने दिए जिन गीतों को स्वर हुए अमर।	
	सागर में भी रहकर मछली प्यासी ही रही।

A2) स्वमत :- 2

'जीवन सुख - दुख का संगम है " इस पर अपने विचार प्रकट कीजिए |

विभाग ४ - भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

Q.4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(1) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए :- **(1)**

नौकर <u>चाय</u> लेकर आया होगा।

(2) निम्नलिखित अव्यय शब्दों मे से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :- **(1)**

(i) यदि

(ii) अरे रे!

(3) तालिका पूर्ण कीजिए (कोई एक) :- **(1)**

शब्द	संधि	नाम (भेद)

i)	सत् + जन	....
ii) उद्धार	....	व्यंजन संधि

(4) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए (कोई एक) :- **(1)**

(i) उसने पुस्तक दे दी |

(ii) हम दोनों बहुत देर तक फूट - फूट कर रोते रहे।

(5) 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए (कोई एक) :- **(1)**

शब्द	प्रथम प्रेरनार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
जीतना	....	....

(6) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :- **(1)**

सामने साँप देखकर वह <u>घबरा गया</u>।
(चेहरे का रंग लाल होना, चेहरे का रंग पीला पड़ना)

(7) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए :- **(1)**

1) उस आश्रम का विज्ञापन अखबार में नहीं दिया जाएगा |

2) पर्वतीय स्थल की यात्रा पर निकल पड़े |

(8) वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए :- **(1)**

1) रुपा चिढ गई क्या जाने न बुलाए ।

2) लाड़ली ने कहा नही मेरे हिस्सेकी हैं

(9) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए (कोई दो) :- **(2)**

(i) सुबह देर तक सोएँगे। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(ii) वे पत्थर कमजोर हो गए है| (सामान्य वर्तमान)

(iii) चपरासी खीझ गया। (सामान्य वर्तमानकाल)

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए :- **(1)**

सुनील, जरा ड्राइवर को बुलाओ |

(ii) सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए :- **(1)**

ये अस्त्र - शस्त्र क्यो बढ़ रहे है। (विधानार्थक वाक्य)

(11) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :- **(2)**

(i) अश्वारोही उससे देख बहुत अचंभित हुई।

(ii) काकी ने पिटारी का फिर टटोली।

विभाग ५ - उपयोजित लेखन : 26 अंक

Q.5 (अ) (1) पत्र लेखन - **(5)**

निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्रलेखन कीजिए : -

> प्रभादेवी, स्टेशन रोड कानपुर को / खेल सामग्री मँगवाने हेतु / 24/103 प्रयागराज से पत्र लिखता / लिखती है |
> सुशील / सुशीला चौबे |

OR

विशाल / वैशाली, नवघर रोड, भाईंदर (पू.) से अपने मित्र / अपनी सहेली अनामिका, नया नगर, मीरा रोड (पूर्व) को ईमानदारी का महत्व बताते हुए पत्र लिखता/ लिखती है।

(2) गदय आकलन - **(4)**

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर एक-एक वाक्य में उत्तरवाले चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में हों :-

वर्तमान शासन प्रणालियों में जनतंत्र से बढ़कर उत्तम कोई प्रणाली नहीं है, क्योंकि उसमें जनता को स्वयं यह अधिकार प्राप्त रहता है कि वह अपने प्रतिनिधियों को चुनकर विधानसभाओं और संसद में भेजती है . ऐसे प्रत्यक्ष चुनाव में प्रायः वही व्यक्ति चुना जाता है, जिसका सार्वजनिक जीवन अच्छा हो और जो जनता की सेवा करता हो . इस प्रणाली में जनता को यह अधिकार है कि यदि वह किसी दल या किसी व्यक्ति के कार्यों से संतुष्ट नहीं है तो दूसरी बार उस दल या व्यक्ति को अपना मत न दें . निर्वाचन में विरोधी दलों के भी कुछ व्यक्ति चुने जाते हैं , जो अपनी आलोचना से शासक दल के स्वेच्छाचार पर अंकुश रखते हैं . इस प्रकार देश की शासन प्रणाली में विरोधी दलों का भी महत्त्वपूर्ण स्थान होता है ।

(आ) (1) वृत्तांत लेखन - **(5)**

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ |

अथवा

कहानी लेखन - **(5)**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखए, और उचित शीर्षक दीजिए :-

राकेश नाम का तरुण - सुंदर लड़की से प्रेम - विवाह करना - मौज-मजे करना - कुछ दिनों बाद - राकेश द्वारा दहेज की माँग करना - पत्नी द्वारा पिता को गरीबी बताना - दहेज को लेकर दोनों में झगड़ा होना - राकेश का पत्नी के साथ मारपीट करना - पत्नी की असमर्थता - एक दिन राकेश का पत्नी को जला देना - दहेज बुरी बला - सीख।

(2) विज्ञापन लेखन - **(5)**

आदर्श विज्ञापन तैयार कीजिए।

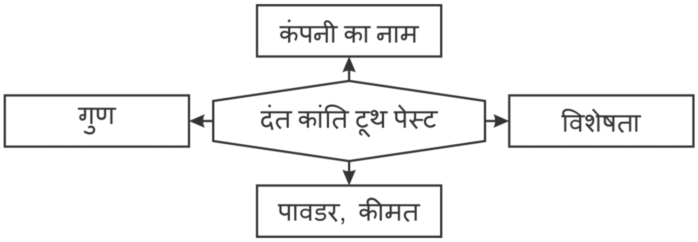

(इ) निबंध लेखन - **(7)**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :-

(1) किसान की आत्मकथा

(2) मेरे जीवन का लक्ष्य

(3) एक टैक्सी ड्राइवर की आत्मकथा